

खबर संक्षेप

पराली नहीं जलाने का 250 ने लिया संकल्प
जींद। फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने और किसानों को पराली प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को बुढ़ायन गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। फार्म वॉट इनोवेशन एवं संबंधित कंपनी की ओर से कार्यक्रम में करीब 250 किसानों ने भाग लिया। किसानों को पराली न जलाने और फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने पराली नहीं जलाने की शपथ लेते पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने में सहयोग करने का संकल्प लिया।

जींद: रक्तदान शिविर 23 सितंबर को
जींद। 23 सितंबर को हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस पर शहीदों की याद में बहुउद्देशीय जन कल्याणा सभा तथा मैड सुनार सभा जींद के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिवर का आयोजन किया जाएगा। शहीद सुबेदार रणधीर सिंह वर्मा के शहीद स्मारक स्थल गांव लुदाना में लगने वाले रक्तदान शिवर का उद्घाटन मुख्यअतिथि के तौर पर लोकसभा सांसद सतपाल ब्रस्मचारी करेंगे। जबकि अति वरिष्ठ अतिथि के तौर पर हरियाणा सरकार में चैयरमैन हरियाणा राज्य सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक तथा भाजपा के राज्य सचिव अमरपाल राणा शिरकत करेंगे।

धान 1509 की पहली ढेरी पहुंचने पर रमन सम्मानित उच्चा। अनाज मंडी उच्चा में धान 1509 की पहली ढेरी पहुंचने पर मार्केटिंग बोर्ड की ओर से चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने मखंड गांव के किसान रमन को चादर भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने किसान को लड्डू खिलाकर मुंह भी मीठा करवाया। धान की ढेरी निजी बोली में 3971 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बिकी। पिछले साल इन दिनों धान 1509 के भाव करीब 2800 से 2900 रुपये प्रति क्विंटल तक थे, जबकि इस बार किसानों को 3900 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक के भाव मिल रहे हैं।

लघु नाटिका से दी सरकार की योजनाओं की जानकारी कैथल। इंदिरा गांधी पीजी महिला कालेज में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत एनएफएस इकाई की ओर से नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिला उच्चर शिक्षा अधिकारी-कम-प्राचार्य डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय कालेज के दिशा-निर्देशों पर आयोजित अभियान 17 से 30 सितंबर तक चलाया जा रहा है। ‘नमो सेवा अनकही कहानियां’ विषय पर राजीव कुमार एवं उनकी टीम ने नुकड़ नाटक प्रस्तुत किया। प्रस्तुति के माध्यम से वर्ष 2000 से 2026 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों, जनसेवा और विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों की जानकारी दी गई।

गणित प्रश्नोत्तरी में छाए ब्राह्मणखुर्द के विद्यार्थी उच्चा। राजकीय कन्या वमावि जींद में जिला स्तरीय गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से 36 टीमों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने गणित विषय से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में राजकीय उच्च विद्यालय ब्राह्मणखुर्द की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय एवं गांव का नाम रोशन किया। टीम के विद्यार्थी आयुष सिवाच ने प्रतियोगिता के दौरान पूछे गए सभी प्रश्नों के सही उत्तर देकर प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और उपस्थित लोगों को प्रभावित किया।

कृषि यंत्रों पर दी जा रही सब्सिडी की जानकारी दी कैथल। कृषि विभाग एवं सहकारी चीनी मिल कैथल की ओर से गांव क्योड़क स्थित होटल में संयुक्त किसान गोष्ठी हुई। गोष्ठी में किसानों को गन्ना फसल के बेहतर प्रबंधन, कीट नियंत्रण तथा सरकार द्वारा गन्ना फसल पर उपलब्ध कराई जा रही अनुदान राशि और कृषि यंत्रों पर दी जा रही सब्सिडी संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। सहकारी चीनी मिल के प्रबन्ध निदेशक कृष्ण ने बताया कि गन्ना फसल के लिए दी जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं कृषि यंत्रों पर सब्सिडी का लाभ उठाएं।

वीटा पार्लर में मिलेंगे सभी उत्पाद जिला नागरिक अस्पताल में जल्द शुरू होगी अमृत फार्मसी

ब्रांडेड दवाओं की तुलना में बहुत कम कीमत पर जेनेरिक दवाएं होंगी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में आम लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अमृत फार्मसी बन कर तैयार है। इसके साथ ही वीटा पार्लर भी बन चुका है। फिलहाल अमृत फार्मसी में धीरे-धीरे दवाइयां रखने का काम शुरू कर दिया गया है। एक कम्प्यूटर सेट व फार्मासिस्ट को बैठाया गया है। अगले सप्ताह में किसी भी एक दिन फार्मसी को शुरू कर दिया जाएगा। अस्पताल प्रशासन के अनुसार अमृत फार्मसी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं में शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य मरीजों को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में बहुत कम कीमत पर जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराना है। यहां मिलने वाली दवाएं निजी मेडिकल स्टोरों की तुलना में 50 से 60 प्रतिशत तक सस्ती होंगी। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों को विशेष राहत मिलेगी। हरियाणा सरकार ने स्वस्थ हरियाणा अभियान के तहत प्रत्येक जिले के नागरिक अस्पतालों में अमृत फार्मसी के नाम से मेडिकल स्टोर



जींद। अमृत फार्मसी के अंदर रखी गई दवाइयां।

फोटो:हरिभूमि

अगले सप्ताह तक शुरू हो जाएगी

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि अस्पताल में अमृत फार्मसी के लिए मेडिकल स्टोर कक्ष बन कर तैयार हो गया है। इसे अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। अगले सप्ताह तक अमृत फार्मसी की सुविधा मरीजों को मिलने लग जाएगी। इससे मरीजों को काफी फायदा होगा। वहीं अमृत फार्मसी के पास ही वीटा पार्लर खोला गया है। इसमें वीटा के हर प्रकार के उत्पाद 24 घंटे मिलेंगे। वीटा दूध, घी, लस्सी, दही समेत हर प्रकार के वीटा उत्पाद यहां उपलब्ध होंगे। नागरिक अस्पताल में आने वाले मरीजों व उनके तैमागदरों के लिए यह बहुत बड़ी सुविधा होगी।

खोलने की योजना बनाई है। इन मेडिकल स्टोर पर सभी प्रकार की ब्रांडेड दवाइयां बाजार से सस्ती मिलेंगी। गोहाना रोड पर राजकीय महाविद्यालय के सामने नागरिक अस्पताल गेट के पास ही अमृत फार्मसी व वीटा पार्लर बनाया गया है। वैसे तो नागरिक अस्पताल के

अंदर ही मेडिकल स्टोर से सभी प्रकार की दवाइयां मरीजों को मुफ्त मिलती हैं। कई बार अस्पताल के अंदर कई प्रकार की दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पाती। ऐसे में मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं। वहीं अस्पताल में जनऔषधी केंद्र भी है। लेकिन

यहां ब्रांडेड कंपनियों की दवाइयां नहीं मिलती। यहां पर जैनेरिक दवाइयां मिलती हैं जो काफी सस्ती तो होती हैं लेकिन ब्रांडेड कंपनी की नहीं होती हैं। ऐसे में कई बार मरीज अच्छी कंपनी की दवाई लेना चाहता है। इन सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए अमृत फार्मसी में हर कंपनियों की दवाइयां मिलेंगे। वैसे यह बाजार से भी सस्ती होंगी। नागरिक अस्पताल में इस समय वीटा के दो बूथ हैं। एक बूथ अस्पताल के मुख्य द्वार के निकट और दूसरा बूथ पुरानी बिल्डिंग के पास खोला गया है। यहां चाय व कोल्ड ड्रिंक ही मिलती है। वहीं वीटा के अनेक प्रकार के उत्पाद हैं। यह सभी उत्पाद इन वीटा बूथ पर नहीं मिलते हैं। इसलिए मरीजों की सुविधा के लिए अमृत फार्मसी में पास ही वीटा पार्लर खोला गया है। इस पार्लर बार में वीटा के सभी प्रकार के दूध, मिठाई, लस्सी, दही, घी, आइसक्रीम से लेकर हर प्रकार के वीटा के उत्पाद मिलेंगे। कई बार किसी मरीज के परिजनकारी दूर होते हैं तो वह यहां पर आकर अपनी भूख मिटा सकेंगे। इसके अलावा इस पार्लर बार पर पौष्टिक उत्पाद मिलेंगे।

विजेता बच्चों को किया सम्मानित

जींद। विद्यार्थियों में सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व, राष्ट्रप्रेम एवं मानवीय मूल्यों की भावना विकसित करने के उद्देश्य से डीएन मॉडल स्कूल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रिभा के माध्यम से सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। 18 सितंबर को चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी में छात्रों ने तैयार की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कला के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने विचारों की प्रभावशाली दंग से प्रस्तुत किया।



जींद। प्रतियोगिता में भाग लेते हुए बच्चे।

फोटो:हरिभूमि



जुलाना। जैजैवंती गांव में महिलाओं को जागरूक करती डॉ. कुसुम।

स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

जुलाना। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला आयुर्वेदिक अधिकारी के निदेशानुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैवंती में स्वास्थ्य जागरूकता एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डा. कुसुम ने लोगों को संबोधित करते कहा कि स्वस्थ रहने के लिए ऋतु के अनुसार दिनचर्या और खानपान में आवश्यक बदलाव करना जरूरी है। ऋतुचर्या एवं मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, संतुलित आहार एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किया। शिविर में औषधीय पौधों एवं उनके औषधीय महत्व के बारे में भी जानकारी दी। लोगों को दैनिक जीवन में उपयोगी औषधीय पौधों की पहचान, उनके गुणों एवं आयुर्वेद में उनके महत्व के बारे में बताया गया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत बस स्टैंड पर सफाई अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ उच्चा

सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को बस स्टैंड परिसर में सफाई अभियान चलाया। अभियान की शुरुआत विधायक देवेन्द्र चतरभुज अत्री ने स्वयं सफाई करते हुए की। उन्होंने बस स्टैंड परिसर व आसपास नजर आए कूड़ा-कंकट को एकत्रित कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान विधायक ने सफाई कर्मचारियों को फूल मालाएं पहनाकर उनका स्वागत भी किया। इसके बाद विधायक ने हाईवे स्थित अतिरिक्त मंडी परिसर में पौधरोपण किया और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।



उन्होंने कहा कि स्वच्छता को हर व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। जहां भी कूड़ा-कंकट नजर आए, वहां सफाई करने के लिए सभी को स्वयं आगे आना चाहिए। अपने आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। परिवार में कोई खुशी का अवसर हो तो उस अवसर पर पौधरोपण जरूर करना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से

जुलाना में धान की आवक शुरू

■ पहले दिन 105 क्विंटल 1509 किस्म की धान पहुंची, 3951 रुपये प्रति क्विंटल बिकी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ जुलाना

जुलाना की अनाज मंडी में धान की आवक शुरू हो गई है। शनिवार को मंडी में धान की पहली आवक हुई। पहले दिन एक किसान 105 क्विंटल 1509 किस्म की धान लेकर मंडी में पहुंचा। मंडी में धान की बोली लगने के बाद किसान की पूरी फसल 3951 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से बिकी। धान की अच्छी कीमत मिलने से किसान को राहत मिली। मंडी में धान की आवक शुरू होने के साथ ही मार्केट कमटी और संबंधित



विभागों ने किसानों की सुविधा के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंडी में किसानों के लिए फसल की बिक्री, तौल और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर इंतजाम किए गए हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जुलाना मंडी सचिव कोमिला ने बताया कि अनाज मंडी में किसानों के लिए सभी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। धान की आवक बढ़ने के साथ मंडी में व्यवस्थाओं पर विशेष

ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी धान की फसल को अच्छी तरह सुखा कर ही मंडी में लेकर आएँ। नमी अधिक होने की स्थिति में फसल की बिक्री में परेशानी हो सकती है। सूखी फसल मंडी में लाने से उसकी बिक्री समय पर हो सकेगी। उन्होंने किसानों से यह भी अनुरोध किया कि मंडी में फसल लाते समय निर्धारित नियमों का पालन करें और अपनी फसल को साफ-सुथरा एवं सुखा कर लाएं। धान की आवक शुरू होने के साथ आने वाले दिनों में मंडी में किसानों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए मंडी प्रशासन द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारु रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।



जींद। बच्चों को संबोधित करते डॉ. राहुल हुड्डा।

फोटो:हरिभूमि

साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

जींद। रंत शिरोमणि श्री सेन भगत राजकीय कालेज में कंप्यूटर विभाग एवं सेवा संकल्प अभियान के संयुक्त तत्वावधान में साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सहायक प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय अलेवा डा. राहुल हुड्डा ने शिरकत की। विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयें प्रदान करते कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से फिशिंग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह साइबर ठगी का एक सामान्य तरीका है, जिसमें अपराधी फर्जी लिंक, ई मेल या संदेश में जकर लोगों से उनकी निजी एवं गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास करते हैं।

हाई जंप में सक्षम अव्वल

उच्चा। करनाल में संपन्न हुई प्रदेशस्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग की हाईजंप स्पर्धा में छत्र सक्षम पुत्र मा. संदीप दुर्जनपुर ने प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। सक्षम अब अक्टूबर माह में महाराष्ट्र में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा की तरफ से हिस्सा लेगा। सक्षम खरकभूरा खेल नर्सरी का खिलाड़ी है। उसने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार के साथ-साथ अपने कोच विवेक सांगवान को दिया। इससे पहले भी सक्षम अंडर-11 वर्ग की हाईजंप स्पर्धा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुका है। सक्षम विद्या भारती की ओर से आयोजित पांच राज्यों की स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में भी एस्डी स्कूल उच्चा मंडी की तरफ से हिमाचल प्रदेश में होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। सक्षम के पिता मा. संदीप दुर्जनपुर ने बताया कि बचपन से ही सक्षम की हाईजंप खेल में रुचि रही है। वह निरंतर मेहनत करते हुए इस खेल में उपलब्धियां हासिल कर परिवार, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सक्षम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल करेंगे।



उच्चा। स्कूल में सम्मानित किए गए विजेता खिलाड़ी।

महर्षि लोमश स्कूल की छात्राओं ने लहराया परचम

उच्चा। कैथल में आयोजित 99वीं हरियाणा स्टेट सॉफ्टबॉल टूर्नामेंट में महर्षि लोमश पब्लिक स्कूल कैथलर सेकेंडरी स्कूल लोधर की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। अंडर-14 बालिका टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता जबकि अंडर-17 बालिका टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय की तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों कायशा, दीक्षु एवं सिया का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। स्कूल चेयरमैन गजे सिंह गिल ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्राओं की मेहनत, लगन और अक्षुण्णता का परिणाम है। इस मौके पर प्रिंसिपल सतवीर कौशिक, सॉफ्टबॉल कोच संजय मेहरा मौजूद रहे।



उच्चा। एसपीएस उच्चा मंडी में आयोजित अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल।

शिवानिया स्कूल में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल

उच्चा। शिवानिया पब्लिक स्कूल उच्चा मंडी में अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए दमकल विभाग की टीम द्वारा विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया। विद्यार्थियों एवं स्टाफ की आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों तथा सुरक्षित निकाली से उपायों की जानकारी दी गई। दमकल विभाग की टीम ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। टीम ने आग लगने की स्थिति में तुरंत उठाए जाने वाले कदम, सुरक्षित स्थान पर पहुंचने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में संयम बनाए रखने के बारे में भी विस्तार से बताया। मॉक ड्रिल से विद्यार्थियों को आपात स्थिति में घबराने के बजाय सहजबुद्धि और सतर्कता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्या प्रेमिला मलिक ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए जागरूक एवं सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



जींद। आग से बचाव के बारे में जानकारी देती दमकल विभाग की टीम।

दमकल टीम ने बच्चों को सिखाए आग से बचाव के गुर

जींद। आगजनी की घटनाओं में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे में यदि लोगों को आग लगने की स्थिति में सही कदम उठाने की जानकारी हो तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को जिला जींद के विभिन्न स्कूलों में दमकल विभाग की ओर से फायर सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम और मॉक ड्रिल आयोजित की गई। दमकल कर्मचारियों ने विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को आग लगने के प्रमुख कारणों, बचाव के उपायों और अग्निजलान यंत्रों के सही इस्तेमाल की जानकारी दी। दमकल केंद्र सफ़ीदों गेट जींद से एनएफएस हितेंद्र सिंह, एफओ अनुप कुमार, एफओ सतीश कुमार और एफओ शिव कुमार ने विभिन्न स्थानों पर फायर सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को सरल भाषा में समझाया कि आग लगने पर घबराने के बजाय सबसे पहले स्वयं को सुरक्षित रखते आसपास मौजूद लोगों को सतर्क करना चाहिए।

माईचारे के नार्ग पर चलने का संदेश

राधा अष्टमी का पर्व हमें अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष को त्यागकर प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि धार्मिक पर्वों को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रखते हुए इनके आध्यात्मिक संदेश को अपने जीवन में अपनाएं। जरूरतमंदों की सहायता करना, दूसरों के प्रति प्रेम एवं सम्मान रखना और समाज में सद्भाव बनाए रखना ही सच्ची भक्ति है। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने राधा रानी के चरणों में सुख-शान्ति, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। अंत में आरती की गई तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

सच्चे प्रेम, विश्वास और समर्पण की भावना के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की भक्ति राधा रानी के प्रेम और समर्पण के बिना अधूरी मानी जाती



उच्चा। राधा अष्टमी पर भजन-कीर्तन में पहुंचे श्रद्धालु।

फोटो:हरिभूमि

जयकारों से भक्तिमय हो गया। पुजारी अशोक शर्मा ने कहा कि राधा अष्टमी राधा रानी के प्राकट्य दिवस के रूप में श्रद्धा और भक्ति

के साथ मनाई जाती है। राधा रानी को प्रेम, त्याग, समर्पण और निस्वार्थ भक्ति का प्रतीक माना जाता है। राधा रानी का जीवन हमें

ख़बर संक्षेप

कल से 17 अक्टूबर तक लगेगे सेवा सेतु कैम्प

कैथल। हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना -2 के तहत आयोजित होने वाले अंत्योदय मेलों को सेवा सेतु अभियान के शिविरों के साथ एकीकृत किया गया है। जिले के विभिन्न खंडों, नगर परिषद एवं नगरपालिकाओं में 21 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विशेष शिविरों एवं अंत्योदय मेलों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी डीसी अपराजिता ने दी। उन्होंने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य पात्र अंत्योदय एवं अन्य परिवारों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए उन्हें आवश्यक जानकारी, सलाह और आवेदन की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाना है।

सौंदर्य एवं व्यावसायिक कौशल कार्यशाला हुई कैथल। राधा कृष्ण सनातन धर्म महाविद्यालय, कैथल के महिला प्रकोष्ठ द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से आर.के.एस.डी. नवीन अवसर अंतरराष्ट्रीय कौशल केंद्र में वी.एल.सी.सी. के विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं के लिए तीन दिवसीय जागरूकता संगोष्ठी एवं व्यावसायिक सौंदर्य कौशल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय की लगभग 50 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को इडब्ल्यूवाईएल की अवधारणा के अंतर्गत अध्ययन के साथ-साथ व्यावसायिक एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना था।



पूंडरी। मुख्यातिथि सुभाष हजवाणा के साथ भाग लेने वाले छात्र।

डीएवी कॉलेज में ‘नमो गाथा सेवा’ के तहत ‘अनकही कहानियां’ कार्यक्रम

पूंडरी। डीएवी कॉलेज, पूंडरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘नमो गाथा सेवा’ कार्यक्रम श्रृंखला के तहत ‘अनकही कहानियां’ थीम पर प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन-संघर्ष, कार्यशैली और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित करवाना रहा। कार्यक्रम में मार्केट कनेट के चेयरमैन सुभाष हजवाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश तुरान ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि सुभाष हजवाना ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन-संघर्ष, संघर्षशील व्यक्तित्व एवं नेतृत्व यात्रा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

दर्शन अकादमी में श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया गया राजेंद्र वीक पीस ऐंड मेडिटेशन समारोह

हरिभूमि न्यूज ►► कैथल

दर्शन अकादमी में राजेंद्र वीक पीस ऐंड मेडिटेशन समारोह के अंतर्गत श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन जो महाराज जी के जन्मदिवस के पवन अवसर पर किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं समस्त विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक ध्यान एवं मेडिटेशन से हुआ। ध्यान के माध्यम से विद्यार्थियों ने मन की शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच का अनुभव किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मधुर भजनों एवं आध्यात्मिक वचनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय

गांव-गांव पहुंच रही विभागीय टीमों, टीकाकरण अभियान अंतिम चरण में

लंपी को लेकर कैथल में पशुपालन विभाग अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ►► कैथल

प्रदेश में गोवंश में लंपी स्किन डिजीज के मामले सामने आने के बाद कैथल जिले में पशुपालन विभाग ने भी 25 सितंबर तक विशेष टीकाकरण अभियान पूरा करने का लक्ष्य, जिले की सभी पात्र पशुओं का टीकाकरण पूरा

ले कर निगरानी बढ़ा दी है। पशुपालकों को जागरूक करने के साथ-साथ जिले में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य 20 सितंबर तक विशेष टीकाकरण अभियान को पूरा करना है। वहीं जिले की सभी गौशालाओं में पात्र गोवंश का टीकाकरण पूरा किया जा चुका है। गांवों में भी विभागीय टीमों पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण कर रही हैं। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप निदेशक डॉ. सूर्या खटकड़ के अनुसार चार माह से अधिक आयु के स्वस्थ गोवंश को लंपी बीमारी से बचाव का टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है। विभाग की टीमें पशुपालकों को बीमारी के लक्षणों और बचाव के उपायों के बारे में भी जानकारी दे रही हैं।



पशुओं को लगे लंपी वायरस का फाइल फोटो।

►► पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप निदेशक डॉ. सूर्या खटकड़ के अनुसार चार माह से अधिक आयु के स्वस्थ गोवंश को लंपी बीमारी से बचाव का टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है।

बुखार और शरीर पर गांठें प्रमुख लक्षण

लंपी स्किन डिजीज विषाणुजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से मच्छर, मक्खी और चिचड़ी जैसे रक्त चूसने वाले कीटों के माध्यम से फैलती है। संक्रमित पशु को तेज बुखार हो सकता है तथा शरीर पर गांठें और घाव दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा आंख और नाक से पानी आना, शरीर के विभिन्न हिस्सों में सूजन और दूध उत्पादन में कमी जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। विभाग ने पशुपालकों को सलाह दी है कि यदि किसी पशु में इस प्रकार के लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत दूसरे पशुओं से अलग कर दें। संक्रमित पशु के लिए अलग बर्तन, पानी और चारे की व्यवस्था करना जरूरी है, ताकि बीमारी दूसरे पशुओं में न फैले।

टैलेंट शो में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

■ हरियाणा की लोक-संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. पूनिया

हरिभूमि न्यूज ►► ढांड

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल में महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष चौ. तेजवीर सिंह के मार्गदर्शन, प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के कुशल नेतृत्व तथा सांस्कृतिक समिति की संयोजिका डॉ. सोनिया रानी के संयोजन में भव्य टैलेंट शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, एकल अभिनय, वाद्य यंत्र



सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी फोटो : हरिभूमि

वादन एवं मिमिक्री सहित विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंगारंग प्रस्तुतियों से महाविद्यालय परिसर उत्साह एवं सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में कुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी

विभागाध्यक्ष एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक डॉ. महासिंह पूनिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. महासिंह पूनिया ने कुक्षेत्र विश्वविद्यालय में धरोहर की

ये बने विजेता

टैलेंट शो में विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों से मंच पर आत्मविश्वास, मौलिकता एवं मंचीय कौशल का परिचय दिया। नृत्य प्रतियोगिता में नीलाक्षी (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम, संजना (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने द्वितीय तथा रितु (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायन में गुरकौरत (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) प्रथम, नेहा (बी.ए. तृतीय वर्ष) द्वितीय तथा सुशील (बी.ए. प्रथम वर्ष) तृतीय रही।

बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बाबा बिशनपुरी अकादमी का शानदार प्रदर्शन, छह मुक्केबाजों ने जीते पदक

राजौद। गांव भाणा स्थित बाबा बिशनपुरी बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अकादमी का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में अकादमी के सात मुक्केबाजों ने भाग लिया, जिनमें से छह खिलाड़ियों ने पदक हासिल किए। खिलाड़ियों ने तीन रणों और तीन रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-19 आयु वर्ग में अकादमी की पायल ने 57 किलोग्राम भार वर्ग और नैसी ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। खास बात यह रही कि पायल और नैसी दोनों सभी



राजौद। पदक जीतने वाले बाबा बिशनपुरी बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ी कोच देवेन्द्र दुल के साथ।

बहुने हैं। नैसी ने 54 किलोग्राम भार वर्ग में भी रजत पदक हासिल किया। वहीं, प्रिया दुल ने 69 किलोग्राम और काफ़ी ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। अंडर-17 आयु वर्ग में महक दुल ने 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अकादमी की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया।कोच देवेन्द्र दुल ने बताया कि अकादमी के खिलाड़ी प्रतिदिन सुबह-शाम करीब पांच घंटे नियमित रूप से बॉक्सिंग का अभ्यास करते हैं। खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन के चलते ही उन्हें यह सफलता मिली है।

जाट कॉलेज कैथल में स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ़ेशर पार्टी

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ►► कैथल

जाट कॉलेज, कैथल में स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए स्नातक द्वितीय व अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा भव्य फ़ेशर पार्टी समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रधान राजकुमार बैनिवाल ने प्रबंधक समिति के सभी सदस्यों, प्राचार्य व कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यों के साथ शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर सभी मेहमानों का स्नातक द्वितीय व अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्नातक प्रथम वर्ष के



कैथल। फ़ेशर पार्टी के दौरान अधिकारियों के साथ विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

छात्रों का भी द्वितीय व अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. दिनेश हिल्लो व फ़ेशर पार्टी कार्यक्रम की संयोजन समिति के सदस्य मनीष कुमार, मोनिका मान, डॉ. विमी दुआ व डॉ. सीमा द्वारा

मुख्य अतिथि सहित समस्त प्रबंधक समिति का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने समस्त प्रबंधक समिति व प्राचार्य के साथ मिलकर मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

जीवन में धैर्य व अनुशासन का होना बहुत जरूरी

मुख्य अतिथि राजकुमार बैनिवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय में आपने अपने जीवन के महत्वपूर्ण तीन वर्ष बिताते हैं और इस दौरान यहां आपको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यहां से शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात भविष्य में जिस भी क्षेत्र में जाएं, अपने व्यवहार व संस्कारों से अपने परिवार व जाट महाविद्यालय का नाम रोशन करें। विद्यार्थी शिक्षा में निरंतरता बनाए रखें और हर दिन नया सीखने का प्रयास करें। प्राचार्य डॉ. दिनेश हिल्लो ने भी स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य को कामना करते हुए कहा कि स्नातक का विद्यार्थी होना एक जिम्मेदार नागरिक की पहचान होती है। देश, समाज व परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए अब आपको आगे बढ़ना होगा। इसके लिए जीवन में धैर्य व अनुशासन का होना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में श्रेष्ठ प्रस्तुति व सहभागिता के आधार पर हैप्पी चहल को मिस्टर फ़ेशर, पलक को मिस फ़ेशर व निष्ठा को मिस फ़र्स्ट रनरअप का खिताब दिया गया। इन छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जाट हाई स्कूल सोसाइटी के उप प्रधान बलजिंदर सिंह बनवाला, महासचिव एडनोकेट रश्मि दुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सत्यवान माजरा, महावीर राविश, दलवीर कैरो, महावीर कुंडू, रिशम सिंह, सन्नी गौशाला, विद्यामान गुहणा, कुलदीप सिंह, जसवीर मानस, रजत रापड़िया, स्वतंत्र पाल, कॉलेज स्टाफ सदस्य राजपाल चहल, डॉ. सुदेश राविश, डॉ. राजेश बनवाला, डॉ. कर्मवीर चहल, डॉ. प्रवीण दाण्डा, डॉ. संदीप धारीवाल आदि रहे।

न्यूज़ डायरी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित राष्ट्र के सपने को हम सब मिलकर करेंगे पूरा : देवेन्द्र पांचाल

कैथल। हरियाणा लेबर फेड के चेयरमैन देवेन्द्र पांचाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना जो देखा है, हम सब मिलकर उसे पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर 25 वर्ष से जन सेवा के कार्य में लगे हुए हैं। आज भारत देश का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं और पवित्र में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है। हरियाणा लेबर फेड के चेयरमैन देवेन्द्र पांचाल शनिवार को नीलम युनिवर्सिटी में सांस्कृतिक एवं कला विभाग द्वारा आयोजित बुकडू नाटक कार्यक्रम के दौरान उपस्थितगण को अपना संबोधन दे रहे थे।



सामाजिक विज्ञान प्रश्नोत्तरी में छाए विद्यार्थी

कलायत। कलायत के शिक्षा भारती विद्या निकेतन स्कूल में अंतर-सदन सामाजिक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रबंध समिति चेयरमैन कुलदीप सिंह व प्राचार्य जितेंद्र सिंह के दिशा-निर्देश पर आयोजित प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता, तर्कशक्ति एवं सामाजिक विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना रहा। इसमें विद्यालय के ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद सदन के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मंच संचालन महावीर सिंह ने किया। निर्णायक की भूमिका सबीना और परमजीत सिंह ने निभाई।



नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में बताए नुकसान

पूंडरी। एक किरण उम्मीद की संस्था की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत बरसाना राजकीय विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से विद्यालय में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 5 वॉटर मिल्टन तथा इड्रिया-वर्ल्ड नक्शा भेंट किए गए। इस अवसर पर डॉ. अणू कोशिक ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा अपने साथियों और समाज में भी जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।



वित्तीय साक्षरता पर एक दिवसीय छात्र संगोष्ठी

पूंडरी। अश्वनी चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, फतेहपुर पूंडरी के वणिज्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र के सहयोग से आयोजित 'साक्षरता' विषय पर एक दिवसीय छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें 62 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शकुंतला ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता का ज्ञान बेहद जरूरी है। सही वित्तीय जानकारी उन्हें भविष्य में समझदारीपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। कव्चीनर डॉ. विनय ने कहा कि वित्तीय शिक्षा विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से जागरूक और जिम्मेदार बनाती है।

हिंदी दिवस पर छात्रा अंजली रही प्रथम

कैथल। डॉ. बी.आर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय के जनसंचार विभाग की छात्रा अंजलि ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। देवे मातरम के 250 गीतवर्णाली वर्ष एवं हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता का आयोजन संवेचना कला, के.आर मंगलम विश्वविद्यालय, सोहना और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, गुरुग्राम के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। अंजलि की उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मांजू ने उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां पूरे महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय हैं। जनसंचार विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक गोयल ने भी अंजलि को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अकादमिक गतिविधियों के साथ रचनात्मक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने अंजलि की प्रथमता को विभाग के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया।

चित्रकला प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

पूंडरी। भाजपा करोड़ा मंडल प्रभारी एवं जिला सचिव हर्ष सेठी की ओर से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूंडरी में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी कला प्रतिभा और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर हर्ष सेठी ने विद्यालय पहुंचकर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि चित्रकला बच्चों की रचनात्मक क्षमता को निखारने के साथ-साथ उन्हें अपनी भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। विद्यार्थियों को देनाई के साथ-साथ ऐसी रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

देश की जनता का आशीर्वाद प्रधानमंत्री के साथ

पूंडरी। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन सुभाष हजवाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश की जनता का भरपूर आशीर्वाद और जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आज विश्व के लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं। हजवाना पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह पूंडरी में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित आशीर्वाद का दिथा कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर देशभर में सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

राधा अष्टमी पर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम

कलायत। श्री राधा अष्टमी उत्सव को लेकर कलायत में शनिवार को दिनाकर उत्साह एवं उमंग का माहौल बना रहा। घंटों से लेकर मंदिरों तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से किमोरे होकर श्री राधाजी की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। प्राचीन कपिल मुनि मंदिर के पुजारी संजय गौतम और अतिरिद्ध गौतम ने बताया कि श्री राधा अष्टमी का पर्व मंगलवार श्रीकृष्ण की परम आराध्या एवं प्रेम-भक्ति की स्वरूपा श्री राधाजी के प्रकटय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला है।

खबर संक्षेप



भारत का परचम लहराने जापान रवाना हुई अलीशा

पुंडरी। हरियाणा के छोटे से शहर पुंडरी की होनहार कराटे खिलाड़ी अलीशा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए जापान रवाना हुई। अलीशा आगामी एशियन गेम्स में महिलाओं के 55 किलोग्राम भार वर्ग में भारत की चुनौती पेश करेंगी। उनकी इस उपलब्धि से पुंडरी सहित पूरे हरियाणा के खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। अलीशा ने हाल ही में आयोजित एशियन कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया।

निरंतर सीखने की सोच ईसान को बनाती है काबिल कैथल।

एनआइआइएलएएम के कुलपति आर. सी. कुहाड़ ने कहा कि स्कूल समय के बाद जो भी बच्चा पढ़ना चाहे, उसके लिए जनक खाप की ओर से उचित स्थान, शांत वातावरण और पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध करवानी चाहिए। इससे आर्थिक या अन्य कारणों से पढ़ाई में कठिनाई महसूस करने वाले बच्चों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुहाड़ ने कहा कि कहा कि जो बच्चे अपनी कक्षा में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करें, उन्हें जनक खाप के वार्षिक सम्मेलन में सम्मानित किया जाना चाहिए। ऐसे सम्मान से बच्चों का उत्साह बढ़ेगा, उनमें मेहनत करने की भावना पैदा होगी और दूसरे बच्चे भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित होंगे। बच्चों को अच्छी शिक्षा देना और उनकी मेहनत को सम्मान देना, आने वाली पीढ़ी को मजबूत बनाने का सबसे सुंदर रास्ता है।

शिकायतों के बावजूद समस्या जस की तस

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल ने समाधान शिविरों में कई बार शिकायत देने के बावजूद भी समस्याओं का समाधान नहीं होने पर सवाल उठाए हैं। गोयल ने कहा कि यदि समाधान शिविरों में एक ही समस्या को लेकर तीन-तीन बार शिकायत देने के बाद भी काम न हो तो इन समाधान शिविरों का क्या फायदा है। गोयल ने जींद की डीसी डा. वैशाली शर्मा से मांग की है कि ऐसी स्थिति में बार-बार निर्देशों के बावजूद काम नहीं करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी कर उनकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। राजकुमार गोयल का कहना है कि रोहतक रोड स्थित नई अनाज मंडी के मुख्य गेट के सामने वाली लाइन में अमरूत योजना के तहत बरसाती पानी की निकासी के लिए आज तक चैंबर ही नहीं बनाए गए हैं। बिना चैंबरों के बरसाती पानी की निकासी नही होती। चैंबर बनाने का काम अमरूत योजना के साथ ही हो जाना चाहिए था लेकिन उस समय संबंधित विभाग द्वारा ये चैंबर नहीं बनाए गए।

मजदूर 27 सितंबर से दो अक्टूबर तक हिसार में कैबिनेट मंत्री के आवास पर डालेंगे पड़ाव

जींद। भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा संबधित सीट युनित कमेटी लखमीरवाला की बैठक स्थानीय हाइसिंग बोर्ड कॉलोनी में यूनित प्रधान राजेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मजदूरों की लक्षित मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का फैसला लिया गया। बैठक में श्रम करघायन बोर्ड से जुड़ी मजदूरों की लक्षित मांगों पर चर्चा की गई और सरकार की उदासीनता

के खिलाफ आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया गया। बैठक में यूनियन के जिला उपाध्यक्ष कपूर सिंह, ब्लॉक सचिव पवन कुमार व डिप्टी ने कहा कि जुलाई 2025 में श्रम करघायन बोर्ड का पोर्टल बंद किए जाने के कारण हजारों निर्माण मजदूर सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। लंबे समय बाद पोर्टल दोबारा खोला गया लेकिन अभी भी पोर्टल खुलारू रूप से काम नहीं कर रहा है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द

हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल

फोन : 8295154800, 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

विद्यार्थियों के सीखने के स्तर और स्कूलों की शैक्षणिक जरूरतों का होगा आंकलन

कैप्सूल स्कूल सपोर्ट प्रोग्राम से सुधरेगी शिक्षा की गुणवत्ता, जींद के 65 स्कूल चयनित

अधिकारी नियमित निरीक्षण कर परखेंगे प्रगति, एफएलएन पर रहेगा विशेष जोर

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यार्थियों की शैक्षणिक जरूरतों को समय रहते पहचान कर उनका समाधान करने के लिए जिले में कैप्सूल स्कूल सपोर्ट प्रोग्राम लागू किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत जींद जिले के 65 सरकारी स्कूलों का चयन किया गया है। इन स्कूलों में विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, कक्षा में शिक्षण प्रक्रिया और उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का नियमित आकलन किया जाएगा। आंकलन के आधार पर स्कूलों की जरूरत के अनुसार अकादमिक सहयोग उपलब्ध करवाया जाएगा। एफएलएन जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ ने बताया कि राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा पंचकूला की ओर से कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य स्कूलों का केवल निरीक्षण



जींद। मीटिंग लेते हुए एफएलएन के जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ।

►► स्कूल की जरूरत के हिसाब से बनेगी कार्ययोजना

कार्यक्रम के तहत प्रत्येक स्कूल की शैक्षणिक स्थिति का अलग-अलग आकलन किया जाएगा। विद्यार्थियों के सीखने का स्तरए शिक्षकों की शिक्षण विधियां, कक्षा-कक्षा की गतिविधियां, उपलब्ध शिक्षण सामग्री और बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को देखा जाएगा। इसके बाद कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। राजेश वशिष्ठ ने कहा कि सभी स्कूलों की परिस्थितियां और विद्यार्थियों की जरूरतें एक जैसी नहीं होतीं। इसलिए एक समान व्यवस्था लागू करने के बजाय स्कूलवार जरूरत को समझना जरूरी है। इसी आधार पर संबंधित स्कूल की आवश्यक अकादमिक सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जाएगा। इसका उद्देश्य कमियां गिनाना नहीं बल्कि शिक्षकों और स्कूलों को बेहतर परिणाम के लिए सहयोग देना है।

करना नहीं बल्कि वहां सामने आने वाली वास्तविक शैक्षणिक जरूरतों को समझकर सुधार के लिए

आवश्यक सहयोग उपलब्ध करवाना है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को किन विषयों या

नियमित निरीक्षण से परखी जाएगी प्रगति

कार्यक्रम की निगरानी के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वलस्टर हेडए डाइट फैकल्टी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक एफएलएन, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त उपायुक्त तथा मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी स्कूलों का निरीक्षण कर कार्यक्रम के क्रियान्वयन और शैक्षणिक प्रगति का जायजा लेंगे। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के सीखने के स्तरए शिक्षकों की कार्यप्रणाली और उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों को देखा जाएगा। यदि किसी स्कूल में अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग की जरूरत सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों की ओर से आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जाएगा। समय-समय पर प्रगति की समीक्षा कर जरूरत के

अनुसार सुधारात्मक रणनीति भी तैयार की जाएगी। एफएलएन जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ ने कहा कि जिले के 65 चयनित स्कूलों में कार्यक्रम को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जाएगा। विद्यार्थियों की शैक्षणिक जरूरतों को केंद्र में रखकर स्कूलों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध करवाना प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करना केवल विभाग की नही बल्कि शिक्षकों, स्कूल प्रमुखों और अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। नियमित आंकलन, अकादमिक सहयोग और प्रगति की समीक्षा के माध्यम से चयनित स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

दक्षताओं में परेशानी आ रही है, किन कक्षाओं में अतिरिक्त सहयोग की जरूरत है और शिक्षण प्रक्रिया

को किस तरह अधिक प्रभावी बनाया जा सकता हैए इन सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा।

किसानों को दी फसल अवशेष प्रबंधन जानकारी

- प्रशिक्षण में 50 प्रतिभागियों ने लिया भाग, विशेषज्ञों ने किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ►►कैथल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, कैथल में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का शनिवार को समापन हुआ। ये प्रशिक्षण 15 सितंबर से 19 सितंबर 2026 तक आयोजित किए गए, जिनमें कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों, धान अनुसंधान संस्थान, कौल के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों ने किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन सहित विभिन्न कृषि विषयों पर



कैथल। कृषि विज्ञान केंद्र कैथल के विज्ञानी किसानों को जागरूक करते हुए।

महत्वपूर्ण जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एवं फसल अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ. अमित कुमार ने कहा कि कृषि योग्य भूमि की गुणवत्ता में सुधार के लिए फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन आवश्यक है। फसल अवशेषों को खेत में जलाने की बजाय वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधित करने से भूमि की घटती उर्वरता को बनाए रखने तथा मृदा स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है। केंद्र

के वैज्ञानिक डॉ. जसबीर सिंह ने किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। डॉ. दीपक कुमार, डॉ. प्रशांत कौशिक तथा डॉ. गुरनाम सिंह ने भी किसानों को विभिन्न कृषि विषयों पर संबोधित किया। धान अनुसंधान संस्थान, कौल के वैज्ञानिक डॉ. सुमित सैनी ने धान की फसल में लगने वाले कीटों तथा उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी।

महिला संगठन को धार देने के लिए कांग्रेस मैदान में जमी

- कांग्रेस में ही महिलाओं के हित सुरक्षित, भाजपा के 543 विधायक-सांसदो पर बलात्कार के मामले दर्ज : नीतू सिंह

- राहुल गांधी की सोच, महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की : रिषीपाल हैबतपूर

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

कांग्रेस ने महिला संगठन को धार देने के लिए जो रूपरेखा तय की हुई थी उसको धरातल पर इम्प्लीमेंट करना शुरू कर दिया है। जींद जिले में संगठन से ज्यादा से ज्यादा महिला जुड़े, इसके लिए शनिवार को पार्टी कार्यालय में जिला प्रधान रिषीपाल हैबतपूर की अध्यक्षता में महिला संगठन सृजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली



जींद। बैठक को संबोधित करते हुए रिषिपाल हैबतपूर।

फोटो: हरिभूमि

में जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रही और जींद जिले की महिला आब्जर्वर नीतू सहरावत ने बतौर मुख्यातिथि और जिला महिला प्रधान लाजवंती दिल्ली ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम में इस दौरान दर्जनों महिलाओं ने संगठन में जिम्मेदारी संभालने के लिए आवेदन किया। इस अवसर पर जिले की महिला आब्जर्वर नीतू सहरावत ने कहा कि

राजनीतिक में पुरुषों के बराबर आने के लिए महिलाओं को सक्रियता दिखानी होगी। राजनीतिक में आकर महिलाएं ज्यादा सशक्त हो सकती हैं। इसलिए महिलाओं के हित के लिए आवाज बुलंद कर रहे देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सोच को सींचने के लिए जींद जिले की ज्यादा से ज्यादा महिलाएं कांग्रेस के साथ जुड़ने का काम करें। नीतू सहरावत ने कहा कि महिलाओं को

प्रधानमंत्री के सर्वो पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

जींद जिले की कांग्रेस आब्जर्वर नीतू सहरावत ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री को जनता जनार्दन की नहीं केवल अपने हित की पड़ी है। इसलिए अपने जन्मदिवस पर सरकारी स्तर पर दीये जलाने का परचम जारी करवाते है। प्रधानमंत्री देश के युवाओं का भविष्य संवारने की बजाये अपने को संवारने पर लगे रहते है। एक मेकअप आर्टिस्ट ने बताया था कि प्रधानमंत्री अपने मेकअप पर एक महीने में 20-25 लाख खर्चते है। बगैर मेकअप के प्रधानमंत्री बाहर नहीं निकलते। अपने मेकअप से ज्यादा तो प्रधानमंत्री अपना मेकअप करते है।

मान सम्मान केवल कांग्रेस में ही मिल सकता है।

1509 धान का भाव 4 हजार के पार

- सरकारी बोली शुरू न होने से किसान मायूस

हरिभूमि न्यूज ►►पुंडरी

पुंडरी अनाज मंडी में 1509 धान की आवक लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार को मंडी में करीब 4 हजार बोरी 1509 धान की आवक हुई। किसानों को उनकी फसल का उचित भाव दिलाने के लिए मार्केट कमेटी की ओर से प्रतिदिन बोली करवाई जा रही है। शनिवार को हुई बोली में हाथ से कटाई की गई 1509 धान का अधिकतम भाव 4,001 रुपए प्रति क्विंटल रहा, जबकि कंबाइन से कटाई की गई धान का अधिकतम भाव 3,900 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचा।



पुंडरी। मंडी में धान की बोली करते हुए व्यापारी।

फोटो: हरिभूमि

वहीं न्यूनतम भाव करीब 3,750 रुपए प्रति क्विंटल रहा। इस बार पिछले वर्ष की अपेक्षा 1509 धान के बेहतर भाव मिलने से किसानों के चेहरे पर खुशी दिखाई दे रही है। किसानों का कहना है कि अच्छे भाव मिलने से उन्हें फसल का उचित मूल्य मिलने की उम्मीद जगी है। मंडी में किसानों की किसी

सरकारी बोली शुरू नहीं होने से किसान चिंतित। मंडी में पीआर धान की आवक भी शुरू हो चुकी है, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से इसकी सरकारी बोली की घोषणा नहीं की गई है। इससे किसानों में मायूसी है। किसानों का कहना है कि धान पककर तैयार हो चुकी है और खेतों में फसल कटाई के लिए तैयार है, लेकिन सरकारी बोली शुरू न होने के कारण वे अपनी फसल मंडी में लाने को लेकर असमंजस में हैं।

प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मार्केट कमेटी की ओर से भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

तैयारियां पूरी

पीआर धान की सरकारी बोली कब से है, इसके लिए उनके पास अभी कोई आदेश नहीं आए है, लेकिन मंडी में सभी तैयारियां पूर्ण हैं। किसानों से अपील है कि वे धान को पूरी तरह साफ व सुखकर लाएं। -गुलाब सिंह, सचिव मार्केट कमेटी पुंडरी।

उझना से नरवाना के लिए छात्राओं के लिए चलाई स्पेशल बस

- बस सुबह नौ बजे उझना से चल कर वाया बेलरखां होते हुए आधे घंटे में पहुंचेगी नरवाना

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

रोडवेज जींद डिपो ने छात्राओं के लिए उझना से नरवाना के लिए स्पेशल बस चलाई है। पिछले दिनों हुए रात्रि ठहराव में भी ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के सामने उझना से नरवाना तक बस चलाने की मांग रखी थी। यात्रियों की मांग पर यह बस चलाई गई है। बस सुबह नौ बजे उझना से चल कर वाया बेलरखां होते हुए नरवाना आधा घंटा में बस पहुंचेगी। यह बस चलने से छात्राओं



जींद। जींद बस अड्डा।

फोटो: हरिभूमि

को काफी सुविधा होगी। छात्राएं समय पर नरवाना शिक्षण संस्थानों में पहुंच सकेंगी। जिला प्रशासन द्वारा जिले के अलग-अलग गांवों में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसमें डीसी, एसडीसी, एसडीएम सहित अन्य विभागों के कर्मचारी गांव में आते हैं

और ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हैं ताकि उन्हें दूर किया जा सके और लोगों को बेहतर सुविधाएं दी जा सकें। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के सामने उझना से खरल के लिए स्पेशल बस चलाने की मांग की थी। ग्रामीणों की मांग पर यह बस शुरू की गई है।

8896 उपभोक्ताओं ने

उठाया पीएम सूर्य घर मुफ्त

बिजली योजना का लाभ

कैथल। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आमजन के लिए आर्थिक राहत और ऊर्जा संरक्षण का प्रभावी माध्यम बन रही है। जिले में योजना को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक 8 हजार 896 उपभोक्ताओं ने अपने घरों की छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित कर इस योजना का लाभ उठाया है। इनमें 1765 अंत्योदय परिवार शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को अलग-अलग किलोवाट क्षमता के अनुसार सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

गलत टिप्पणी पर पंचायत करेगी निर्णय

सर्वजातीय सर्वखाप पंचायत मंच के प्रवक्ता उमेद सिंह जागलान ने कहा कि कुछ दिन पहले दिल्ली मुंडका के विधायक गजेन्द्र सिंह व उनकी ही पार्टी के मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार के बीच विवाद हुआ था। इसमें सुनील कुमार ने एक समाज के ऊपर गलत टिप्पणी की व लड़कियों के बारे में गलत शब्द कहे, जोकि अशोभनीय है। इस प्रकार की गलत टिप्पणी को समाज किसी भी स्तर में बर्दास्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह मामला विधायक व उनकी ही पार्टी के पदाधिकारी के बीच का है। इसमें किसी भी समाज का कोई लेनादेना नहीं है। इस मामले में किसी समाज का नाम लेकर टीका-टिप्पणी करना गलत है, जो बर्दाश्त के बाहर है। इस मामले में पालम 360 की पहले भी पंचायत हो चुकी है और पंचायत करके आगामी निर्णय लिया जाएगा।

गलत है, जो किसी भी स्तर में सहन नहीं होगा। बैठक में जिले की सभी खापों के प्रधानों ने हिस्सा लिया। माजरा खाप के प्रधान गुरविंद सिंह

सिंधु व कंडेला खाप के प्रधान ओमप्रकाश कंडेला ने कहा कि कुछ लोग विवाद कैसा भी हो, उसमें जातिवाद का जहर घोल रहे हैं।

भी कहा गया कि यह विवाद विधायक व मंडल अध्यक्ष के बीच का है, इसमें समाज को घसीटना

बैठक

पालम 360 की पंचायत में जो भी फैसला होगा, जींद की खापें करेंगी समर्थन

विधायक के साथ लड़ाई में समाज को घसीटना गलत, नहीं होंगी गलत टिप्पणियां सहन

- सर्वजातीय सर्वखाप पंचायत मंच की जाट धर्मशाला में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

जाट धर्मशाला में शनिवार को सर्वजातीय सर्वखाप पंचायत मंच की बैठक मंच के महासचिव एवं थुआ तपा के प्रधान सौदमत शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुंडका (दिल्ली) में विधायक व मंडल अध्यक्ष के बीच चल रहे विवाद को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसमें निर्णय लिया गया कि इस



जींद। बैठक में भाग लेते हुए खाप प्रतिनिधि।

फोटो: हरिभूमि

मामले में पालम 360 की पंचायत में जो फैसला होगा, जींद की खापें उसका समर्थन करेंगी। बैठक में यह



कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमकड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनएस में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
लथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संगल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं त्रियारे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांघे में लोह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का 'नवरंग'
परवानों की भीड़ लगेगी शम्भा जल जाने के बाद

स्लीपकेशन घुमकड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ मरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन मरी नींद की कमी अक्सर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

क्या है स्लीपकेशन

स्लीपकेशन, यात्रा का एक ऐसा रूप है जहां आपका ध्यान आपके आस-पास की हर चीज की खोज से हटकर, खुद से दोबारा जुड़ने पर केंद्रित हो जाता है। कोई जल्दबाजी वाली सुबह नहीं। हर सेकेंड का 'अधिकतम उपयोग' करने का कोई दबाव नहीं। इसके बजाय आप निर्बाध नींद के बाद धीमी, सचेतन सुबह का आनंद ले सकते हैं। एक ऐसा समय बिता सकते हैं, जिसका कोई हिसाब नहीं होता है। वैश्विक स्तर पर इस विचार को लोकप्रियता मिल रही है, क्योंकि लोगों ने यह पहचानना शुरू कर दिया है कि शहरों की आधुनिक जीवनशैली हमें लगातार अतिउत्तेजित और चुपचाप थका देती है। वैसे में एक स्लीपकेशन बिना किसी अपराध बोध के आराम करने की अनुमति देता है। हालांकि भारत में 'स्लीपकेशन' का कॉन्सेप्ट अभी काफी नया है। लेकिन यह धीरे-धीरे सोच-समझकर की जाने वाली यात्राओं का हिस्सा बनता जा रहा है।

नींद की कमी से परेशान हैं लोग

आज के दौर में बेशुमार काम, जिम्मेदारियों, रिश्तों को संभालना और रोजमर्रा की जिंदगी के लगातार मानसिक बोझ के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो गया है। इस बारे में वरिष्ठ मनोचिकित्सक गगनदीप कौर कहती हैं, 'दुनिया में नींद की कमी वाले देशों में जापान के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। देश में नींद की कमी की समस्या पहले से ही मौजूद डायबिटीज, मोटापा,

अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- ▶ इसमें व्यक्ति को सुबह बिना आलार्म के जागना होता है।
- ▶ बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- ▶ अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- ▶ बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर थू ही घूमने निकल जाना।
- ▶ इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- ▶ स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- ▶ मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- ▶ शरीर आराम महसूस करने लगता है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन 'लोकल सर्कलस' का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे

थका हुआ महसूस करते हैं। इस 'स्लीप डेब्ट' को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कुर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, 'आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें। *

कार्य प्रगति पर है!

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की साफ-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के



यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पट्टिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी,

कल संध्या काल में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित वहीं गटरदोज हो गए। न केवल उनके धवल वस्त्र गंदगी से अलंकृत हुए, उनकी स्कूटी में भी हलचल बंद हो गई। जुगत बाबू की धर्मपत्नी के साथ भी वहीं हादसा हो गया। वे सब्जी मंडी से थैला भरकर ताजी तरकारी लेकर आ रही थीं। छत पर खड़ी पड़ोसन से बात करने में मगन, उन्हें नाली का ध्यान नहीं रहा और वे सब्जी सहित नाली में समा गईं। आस-पास के लोगों ने

लघुकथा / कृति आर.के. जैन

पिता का तकिया



कभी नहीं पढ़ा। उसने तर्किए को सोने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं। *



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लेश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर

पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है। **जरूर पढ़ लें रिव्यू:** जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेंटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेंटिंग की बात है तो रेंटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेंटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है। **जान लें रिटर्न पॉलिसी:** ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर

देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए। *

किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगुल हुआ कि अपनी स्ट्राइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल काट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और जाते-जाते के जरिए को और मजबूत किया जा सके। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियाँ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियाँ/देखते हुए डूबते



कभी नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।' जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। 'बिंदी और सिंदूर' कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

बदलाव को संग्रह की कई अन्य कविताओं में स्पष्ट तौर पर लक्षित कर सकते हैं। 'मी लॉर्ड! मुझे 'चाय दीजिए' कविता में वह कहती हैं, 'मैंने कल कर दिया/मी लॉर्ड/उस लड़की का/परंपराओं, संस्कारों के हवन कुंड में/होम किए दे रही थी जो/खुद को/रखने को झूठा मान/घर परिवार का।' 'सुनो नादिया' जैसी कविता को शामिल करने से इस संग्रह की कविताओं का कैमवास और भी विस्तारित सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।' जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। 'बिंदी और सिंदूर' कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

पुस्तक: छत पर लड़कियाँ (कविता संग्रह), लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली



गणपति बप्पा का भव्य विसर्जन आस्था-सामूहिकता का उत्सव

पर्व-संस्कृति
धीरेज बसाक

विघ्न विनाशक गणपति की विदाई का दृश्य अपने आपमें भारतीय संस्कृति का एक अनूठा दृश्य होता है। सिर पर पगड़ी बांधे बुजुर्ग, जयघोष करते युवा और रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी महिलाएं, कंधों पर गणपति की प्रतिमा उठाए भक्तगण और ढोल की थाप पर थिरकते अलग-अलग उम्र के लोग-सब एक ही स्वर में पुकारते हैं, ‘गणपति बप्पा मोरया!’ कुछ घंटे पहले तक जो प्रतिमा किसी घर, गली या मुहल्ले के एक मंडप की केंद्र बिंदु थी, विसर्जन के समय वह हजारों लोगों की साझी आस्था और भावनाओं का केंद्र बन जाती है। यही गणेश विसर्जन की सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता है। यही भव्य दृश्य आगामी (25 सितंबर) अनंत चतुर्दशी को फिर देखने को मिलेगा।

सामूहिकता-साझेदारी का उत्सव

गणेशोत्सव की खूबसूरती केवल प्रतिमा की स्थापना और पूजा में नहीं बल्कि उसके आस-पास निर्मित होने वाली सामुदायिक दुनिया में भी है। मुहल्ले में मंडप लगाना, मिलकर सजावट करना, सामूहिक रूप से प्रसाद तैयार करना और फिर मिलकर आरती में शामिल होना, वास्तव में गणेश स्थापना से लेकर गणेश विसर्जन तक एक लंबा सांस्कृतिक उल्लास लोगों के बीच छाया रहता है। यह उल्लास विसर्जन के समय चरम पर पहुंचकर भावुक विदाई में बदल जाता है। अगर गणेश विसर्जन को ध्यान से देखें तो लगता ही नहीं कि यह किसी मूर्ति का विसर्जन है। ऐसे लगता है जैसे अपने किसी अत्यंत प्रिय से हम बिछड़ रहे हों। गणेश-प्रतिमा विसर्जन के समय सामूहिकता का सौंदर्य देखने लायक होता है। कोई प्रतिमा उठता है, कोई रास्ता साफ करता है, कोई पानी बांटता है, कोई ढोल बजाता है, कोई फूल बरसाता है, कोई पीछे चल रहे बच्चों का ध्यान रखता है, यह समूचा उल्लास सामूहिकता और साझेदारी का उत्सव होता है।



मिट जाते हैं सभी भेदभाव

गणेश विसर्जन भारतीय समाज की उस पुरानी परंपरा को जीवित करता है, जिसमें उत्सव केवल देखने की चीज नहीं है, मिलकर जीने का आयोजन होता है। सामान्य दिनों में भले भारतीय समाज की सामाजिक संरचना में जाति, वर्ग, पेशा और आर्थिक स्थिति की अनेक दूरियां दिखाई पड़ती हों, लेकिन गणपति पूजा में यह कहीं नहीं दिखती।

किसी हाथ में आरती की थाली होती है, तो कोई रस्सी पकड़कर प्रतिमा के साथ चल रहा होता है, कोई ढोल बजा रहा

होता है और कोई नृत्य कर रहा होता है। यहां व्यक्ति की सामाजिक पहचान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी साझी भागीदारी बन जाती है। यही वजह है कि गणेशोत्सव सिर्फ पूजा का पर्व नहीं बल्कि सामाजिक मेल-जोल का सार्वजनिक उत्सव होता है।

पीढ़ियों को जोड़ता उत्सव

गणेश विसर्जन सांस्कृतिक उत्सव कई पीढ़ियों को एक साथ जोड़ देता है। बुजुर्गों के पास परंपरा की स्मृतियां होती हैं, युवाओं के पास ऊर्जा और आयोजन की जिम्मेदारी संभालने का भाव होता है। बच्चे पूरे उत्सव में उत्सुकता और विस्मय के साथ भागीदार रहते हैं। एक बुजुर्ग जब बच्चे को समझाता है कि गणपति की स्थापना क्यों की जाती है और विसर्जन का अर्थ क्या है, तो यह सिर्फ एक धार्मिक जानकारी नहीं होती। यह उस

विशेष: अनंत चतुर्दशी, 25 सितंबर

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सैकड़ों ढोल की थाप, सामूहिक जयघोष और भक्तों की नम आंखों के बीच गणपति बप्पा की विदाई केवल एक प्रतिमा का विसर्जन नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और अपनत्व का उत्सव भी होता है। हजारों हाथ जब बप्पा को विदा करते हैं, तो हर कदम में परंपरा, साझेदारी और अगले बरस लौटने की उन्मीद साथ चलती है।

सांस्कृतिक स्मृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का जरिया होती है, जो ऐसी ही परंपराओं से मिलती है। इस तरह हर साल होने वाला विसर्जन परंपरा की पुनरावृत्ति के साथ-साथ उसके हस्तांतरण का भी अवसर बन जाती है।

विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास

गणपति विसर्जन का सबसे भावुक क्षण वह होता है, जब भक्त गणपति की प्रतिमा को विदा करते हैं, लेकिन इस विदाई में स्थाई वियोग का भाव नहीं होता। क्योंकि विदाई के दौरान जो जयकारा लगता है, उसमें विदाई के साथ-साथ वापसी का निवेदन कहीं ज्यादा मुखर होता है, ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ।’ यह जयघोष भारतीय संस्कृति के एक गहरे जीवनदर्शन को व्यक्त करता है। यहां विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास मौजूद होता है। इसलिए विसर्जन का दुःख अगले आगमन की प्रतीक्षा के एहसास में कम हो जाता है। मिट्टी की प्रतिमा का पानी में विलीन होना भी इसी भाव को विस्तार देता है, जिस मिट्टी से आकृति बनी, वह फिर प्रकृति में लौट जाती है। प्रतीकात्मक रूप में यह प्रक्रिया यह बताती है कि रूप बदलता है, लेकिन संबंध और स्मृति बने रहते हैं।

गढ़ते हैं जीवंत लोक-संस्कृति

गणेश विसर्जन केवल धार्मिक जुलूस नहीं होता। ढोल-ताशे, लोकगीत, नृत्य, पारंपरिक वाद्य और सामूहिक जयघोष यह सब मिलकर एक जीवंत लोक-संस्कृति गढ़ते हैं। महाराष्ट्र में विशेषकर ढोल, ताशा तथा विसर्जन यात्रा का हिस्सा होते हैं। उनकी यह सामूहिक लय केवल संगीत नहीं पैदा करती बल्कि साथ चल रही भीड़ को भी एक रिश्ता, एक साझी ताल देती है। हजारों कदम जब एक ही ताल पर उठते हैं और एक ही ताल पर जमीन में गिरते हैं, तो व्यक्ति भीड़ का एक हिस्सा भर नहीं रहता बल्कि सामूहिक अनुभव का सहभागी बन जाता है। गणेश विसर्जन में यही सांस्कृतिक अनुभव हर कोई महसूस करता है।

साझी भावनाओं का सांस्कृतिक प्रदर्शन

गणेश प्रतिमा भले किसी एक परिवार ने स्थापित की हो या किसी सार्वजनिक मंडल ने, पर उसकी विदाई सामूहिक होती है। विसर्जन यात्रा जहां-जहां से गुजरती है, वहां-वहां के लोग इसका हिस्सा हो जाते हैं, फिर भले चाहे वो कुछ कदम चलकर इससे अलग हो जाएं। विसर्जन जुलूस जहां से गुजरता है, वह अजनबी भीड़ के रूप में नहीं गुजरता बल्कि हर जगह मौजूद लोग इसमें शामिल हो जाते हैं। इसलिए विसर्जन वास्तव में प्रतिमा को महज पानी में प्रवाहित करने की प्रक्रिया नहीं है, यह साझी आस्था, साझी जिम्मेदारी और साझी भावनाओं का सामूहिक और सांस्कृतिक प्रदर्शन है। *

डिजिटल इंपैक्ट
डी. जे. नंदन

एक समय था, जब बॉलीवुड सितारों की लोकप्रियता का पैमाना सिनेमाघरों के बाहर लगी भीड़, फिल्मी पत्रिकाओं के कवर और टीवी इंटरव्यू हुआ करते थे। किसी अभिनेता की फिल्म रिलीज होती थी, तो शहरों की दीवारें उसके पोस्टर से ढक जाती थीं। आज का दौर उस दौर से बिल्कुल अलग है। अब किसी भी फिल्म की सफलता का पहला संकेत टिकट खिड़की पर नहीं बल्कि इंस्टाग्राम रील्स, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और एक्स (ट्विटर) के ट्रेंडिंग हैशटैग में दिखाई देता है। बदल गई स्टारडम की परिभाषा: बॉलीवुड में स्टारडम का गणित इस सोशल मीडिया के युग में पूरी तरह से बदल चुका है। आज किसी अभिनेता की लोकप्रियता का पैमाना, सिर्फ उसकी अभिनय क्षमता नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर उसकी फैन फॉलोइंग मानी जाती है। आज के इस डिजिटल दौर में फैन आर्मी और सोशल मीडिया पर पैदा होने वाले बज से किसी भी स्टार का असली स्टारडम तय होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, अब हिंदी फिल्मों की खोज और दर्शकों को सिनेमाघरों तक पहुंचाने वाले सबसे प्रभावी माध्यमों में गिने जा रहे हैं। फैन आर्मी में बदला फैन क्लब: 1990 और 2000 के दशक में फिल्म स्टार्स के फैन क्लब हुआ करते थे। वे पोस्टर लगाते थे, अपने पसंदीदा एक्टर का जन्मदिन मनाते थे और कभी-कभी वो थिएटर के बाहर जहां उनके फेवरेट एक्टर की फिल्म लगी होती थी, वहां जश्न मनाया करते थे। लेकिन आज यही फैन क्लब, फैन आर्मी में तब्दील हो चुके हैं। किसी फिल्म का टीजर आते ही उस फिल्म के एक्टर के हजारों प्रशंसक उसे सोशल मीडिया में शेयर करते हैं। पहले जो चर्चा गली-गली तक पहुंचने के लिए कई दिन और कई हफ्तों लिया करती थी, आज वह चर्चा सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के बीच कुछ ही घंटों में पहुंच जाती है।

इनसे प्रूफ होता है सोशल मीडिया इंपैक्ट

‘अल्फा’ का टीजर और डिजिटल ट्रैकिंग: कुछ समय पहले आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म ‘अल्फा’ का टीजर आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई। कई बड़े सितारों ने सार्वजनिक रूप से इसकी सरहना की, जिससे फिल्म को अत्यधिक डिजिटल बडत मिल गई। यू-ट्यूब फैनफेस्ट: वरुण धवन ने यू-ट्यूब फैनफेस्ट में अपनी फिल्म के गीत का लाइव प्रचार किया है।यह दिखाता है कि डिजिटल आयोजनों का महत्व अब पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस से ज्यादा हो गया है। वायरल वीडियो का इंपैक्ट: 2026 के गणतंत्र



दिवस रिवरसल में सेनिकों का एक बॉलीवुड गीत पर मार्च करते हुए वीडियो वायरल हुआ और पुराने हिट गीत को एक झटके में नई पीढ़ी तक पहुंचा दिया गया। इस तरह सोशल मीडिया पुराने कंटेंट को भी लोकप्रिय बनाने में देर नहीं लगाना। इंपलूएंसर मार्केटिंग: फिल्म निर्माता, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब इंप्लूएंसर्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं ताकि पारंपरिक विज्ञापनों से आगे सीधे युवाओं तक पहुंच सकें। हालिया बॉलीवुड अध्ययनों के अनुसार यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और कुछ एप्स अब दबक्यों को फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने लगे हैं।

दूसरों की सलाह या उपदेश पर निर्भर होना या अपने जीवन के सवालों के जवाब हमेशा किसी और से पूछना, सही नहीं है। यह प्रवृत्ति क्यों लोगों में देखी जाती है? इसके बजाय हमें किस तरह अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बनना चाहिए, आप जरूर जानना चाहेंगे।

खुद ही तलाशने चाहिए जीवन के सवालों के जवाब

सेल्फ मोटिवेशन

वीरेंद्र बहादुर सिंह

हमारे जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम अपने हर छोटे-बड़े सवाल का जवाब दूसरों से चाहते हैं। पढ़ाई किस विषय में करें, नौकरी कहाँ करें, विवाह किससे करें, किस रास्ते पर चलें, कौन-सा निर्णय सही होगा? इन सबका फैसला भी अक्सर हम किसी और की राय से लेते हैं। मानो कोई दूसरा व्यक्ति हमारे जीवन की पूरी किताब पढ़ चुका हो और हमें हमसे बेहतर जानता हो। सवाल है, लोग अपने जीवन के निर्णय लेने के लिए दूसरों से सलाह या उपदेश क्यों लेना चाहते हैं?

आकर्षित करते हैं उपदेश

अक्सर लोग इसलिए उपदेश सुनना या दूसरों की सलाह मानना पसंद करते हैं, क्योंकि इससे जिम्मेदारी किसी और पर डालना आसान हो जाता है। अगर निर्णय सफल हुआ तो गाइड करने वाले की महानता और अगर असफल हुआ तो दोष भी उसी पर डाल देना आसान होता है। इस प्रकार व्यक्ति स्वयं सोचने और अपने निर्णय की जिम्मेदारी लेने से बच जाता है। दूसरी बात, जब इंसान किसी समस्या का सामना करते हुए मानसिक रूप से टूटता है तो उसके भीतर असुरक्षा का भाव भी पैदा होता है। तब उसका मन किसी व्यक्ति, किसी विचारधारा, किसी गाइड या किसी समूह की छाया तलाशने लगता है ताकि उसे फिर से मानसिक सुरक्षा मिल सके।



विचारधारा को अपनाना चाहिए और किसे छोड़ देना चाहिए? ऐसे उपदेश सुनने में सरल लगते हैं। अगर कोई इंसान ऐसे किसी के भी उपदेश को बिना सोचे-विचारे मानने लग जाए, तो उसकी स्वतंत्र सोच और निर्णय लेने की क्षमता धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है।

गाइड के तौर पर लें सलाह

दूसरों के अनुभव हमारे लिए दिशासूचक संकेत हो सकते हैं, लेकिन वे हमारी मंजिल तय नहीं कर सकते। जैसे संकेत किनारे लगा बोर्ड केवल दिशा बताता है, यात्रा हमारे स्थान पर नहीं करता, उसी प्रकार विद्वानों, गुरुओं, शिक्षकों और अनुभवी लोगों का काम केवल रास्ता दिखाना है। उस रास्ते पर चलना या न चलना हमारा निर्णय होना चाहिए।



स्वविवेक से ही लें निर्णय

अच्छे विचार वही हैं, जो व्यक्ति को भीतर से बदल दें, उसकी दृष्टि को व्यापक बना दें और उसे अधिक संवेदनशील, अधिक स्वतंत्र तथा अधिक जिम्मेदार बना दें। दूसरों की बातें सुनिए, उनके अनुभवों से सीखिए, महान ग्रंथ पढ़िए, श्रष्ट विचारकों का अध्ययन कीजिए, लेकिन किसी की बात को अंतिम सत्य मानकर अपनी सोच बंद मत कीजिए। याद रखिए, जीवन का सबसे बड़ा गाइड अंततः हमारा विवेक और अपना अनुभव ही होता है। कहने का मतलब है कि जीवन के हर महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर बाहर यानी दूसरों की सलाह में नहीं, हमारे ही भीतर छिपा होता है। उसे खोजने का श्रम हमें स्वयं करना पड़ता है। वही श्रम हमें परिपक्व बनाता है, वही आत्मविश्वास देता है और वही वह शाश्वत संतोष प्रदान करता है जिसे कोई तैयार उपदेश कभी नहीं दे सकता। *

कॉफी सिर्फ एक पेय नहीं है, बल्कि यह वैश्विक संस्कृति और न जाने कितनी अनेकही कहानियों का हिस्सा भी है। सुबह या शाम गरमा-गरम कॉफी पीना दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है। कॉफी बाँस को वनस्पति विज्ञान के नजरिए से देखा जाए, तो यह नाम पूरी तरह से एक भ्रांति है। कॉफी का एक छोटा पेड़ होता है, जिस पर चमकीले लाल रंग के फल लगते हैं, जिन्हें ‘कॉफी चेरी’ कहा जाता है। इन फलों के अंदर दो बीज होते हैं। जब फल पक जाते हैं, तो उनके गूदे को हटाकर इन बीजों को निकाला जाता है, जिन्हें हम भूनकर कॉफी पावडर बनाते हैं। क्या आप जानते हैं कि कॉफी से जुड़े कुछ किस्से भी बेहद मजेदार और हैरान करने वाले हैं?

कॉफी के खिलाफ महिलाओं का आंदोलन: 17वीं शताब्दी के लंदन में कॉफी हाउसेस, पुरुषों के सामाजिक जीवन का मुख्य केंद्र बन गए थे। पुरुष दिन भर घरो से बाहर रहकर कॉफी हाउसों में राजनीति, व्यापार और दर्शनशास्त्र पर चर्चा करते थे। इससे तंग आकर साल 1674 में लंदन की महिलाओं ने एक अनेखा मोर्चा खोला, जिसे हिस्ट्री में ‘द विमैस पिटीशन अगेंस्ट कॉफी’ के

पक्षी जगत
एन. के. अरोड़ा

जमीन से मीलों ऊपर उड़ते हुए कुछ पक्षी जब हजारों किलोमीटर की अपनी लंबी यात्रा पर होते हैं, तो हर समय जगें हुए नहीं होते, बीच-बीच में सोते भी हैं। फिर चाहे वे आसमान में उड़ रहे हों, उसके नीचे चारों तरफ हजारों मील तक समुद्र ही क्यों न पसरा हो। यही नहीं अगर सैकड़ों किलोमीटर तेज आंधी भी चल रही होती है, तो भी उनकी सेहत पर फर्क नहीं पड़ता। वे उस समय भी उड़ते हुए अपनी जरूरी नौद ले लेते हैं। ऐसी ही अद्भुत विशेषताओं वाले पक्षियों में ग्रेट फ्रिगेटबर्ड भी शामिल है।

वैज्ञानिकों ने किया अँज्वः ग्रेट फ्रिगेटबर्ड पर लगातार नजर रखते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह कई-कई दिनों तक आसमान में उड़ते हुए जमीन पर नहीं उतरता और बिना रुके अपनी यात्रा जारी रखता है। ऐसा करते हुए इसके मस्तिष्क का एक हिस्सा घंटों-घंटों आराम करता है और दूसरा हिस्सा जरूरी काम यानी उड़ान को संचालन करता है। ऐसा करते समय इसकी एक आंख बंद हो सकती है और मस्तिष्क का विपरीत हिस्सा आराम कर सकता है, जबकि दूसरी आंख और मस्तिष्क का दूसरा हिस्सा संजग रहता है और अपनी परिस्थितियों तथा वातावरण पर लगातार नजर रखता है।

रोचक / शिखर चंद जैन

टेस्टी कॉफी से जुड़ी इंट्रेस्टिंग स्टोरीज



हिस्सा माना जाता था। वहाँ एक कानून था कि यदि कोई पति अपनी पत्नी को रोजाना एक निश्चित मात्रा में कॉफी उपलब्ध कराने में असमर्थ रहता था, तो पत्नी को इस आधार पर अपने पति से कानूनी रूप से तलाक लेने का पूरा अधिकार था। उस दौर में पुरुषों के लिए पत्नी के लिए कॉफी का इंतजाम करना सबसे जरूरी काम माना जाता था। *

आपको जानकर अचरज होगा कि आकाश में कई मील की ऊँचाई पर उड़ते पक्षी अपनी लंबी उड़ान के दौरान सो भी लेते हैं। उड़ते-उड़ते सोने का यह कमाल वे कैसे कर लेते हैं?

कैसे बेफिक्र होकर सोते हैं

आसमान में उड़ते पक्षी



हवा का भी लेते हैं सहारा: वैज्ञानिकों ने यह भी पाया है कि ग्रेट फ्रिगेटबर्ड और लंबी उड़ान भरने वाले अन्य पक्षी उड़ते समय हवा को अपने एक सहारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि जब वे ऊँचे आसमान में लंबी उड़ान पर होते हैं, तब बार-बार पंख नहीं फड़फड़ाते। वास्तव में समुद्र के ऊपर उठने वाली गर्म हवा और वातावरण में मौजूद हवा की धाराओं का बड़ी चतुराई से इस्तेमाल करते हुए ये पक्षी उसमें ग्लाइडिंग करते हैं। यह ऊर्जा बचाने और लगातार उड़ान के बावजूद न थकने का एक सीक्रेट तरीका भी है। जैसे कोई ग्लाइडर

विमान, हवाओं की धाराओं का इस्तेमाल करते हुए कम या बिल्कुल कम ऊर्जा का इस्तेमाल करके उड़ान की दूरी तय कर सकता है। उसी तरह ये पक्षी भी वातावरण की ऊर्जा को अपने हित में इस्तेमाल करने की जुगत जानते हैं।

ऐसे लेते हैं हवा में नौद: वैज्ञानिकों ने अब तक जो स्टडी की है, उसके आधार पर आसमान में लंबी उड़ान के दौरान पक्षियों की नौद सीमित तथा नियंत्रित होती है। इसे वैज्ञानिकों ने ‘स्लो वेब स्लीप’ माना है और पाया है कि उड़ान के दौरान इनकी यह नौद जमीन पर उनके सोने की तुलना में बिल्कुल अलग होती है।